PAHAL Institute for Community Empowerment

Innovative Paper Bags

An Initiative of

Under Pahal community Livelihood support Services

Gola Barrage Road Kathgodam, Nainital, Uttarakhand (INDIA)

☎(05946) 266209, 266216

E-mail: islam.hussain@naipahal.com, naipahal@yahoo.co.uk, contact@naipahal.com

ढाई किलो का बैग

अधिक वजन उठा सकने वाले कागज के कैरी बैग बनाने की नवीन विधि

पृष्ठभूमि–

प्लास्टिक का कचरा शहरों और गांवों में प्रदूषण का एक बडा कारण बन गया है, जिसके गंभीर परिणाम सामने आ रहे हैं। गलियां सड़कें और नालियां ज्यादा गंदी हो गई है, कचरे का नैसर्गिक रूप से सड़ने का क्रम रूक गया है, तथा कचरे के निस्तारण की स्थाई समस्या हो गई है। इसका प्रमुख कारण प्लास्टिक अथवा न गलने वाले सामान का विशेष रूप से प्लास्टिक की थैलियों का अत्याधिक प्रयोग जिम्मेवार है। प्लास्टिक की थैलियां लोगों के लिए सुविधा जनक हैं आसानी से मिल जाती हैं और सस्ती हैं इसलिए इनका प्रयोग लगातार बढ़ता जा रहा है। जिससे कारण कचरा प्रदूषण बढ़ता जा रहा है। विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में यह समस्या विकराल बनती जा रही है।

हमने अखबार के कागज के ऐसे बैग बनाने की तकनीकि विकसित की है जो प्लास्टिक की थैलियों का स्थान ले सकते हैं। विकसित पद्धति से बना यह बैग, ढाई – तीन किलो सामान उठा सकता है, बैग पुराने अखबार से बनता है, पुराने अखबार आसानी से मिल सकते हैं और बेरोजगार व घरेलू महिलाओं से यह नए तरह के बैग बनाकर जहां उनके परिवार की आय बढ़ाई जा सकती है वहीं दूसरी ओर प्लास्टिक के कचरे की समस्या को दूर किया जा सकता है।

इस समस्या से लड़ने के लिए हमने एक दूसरी बड़ी समस्या को आधार बनाया है और वह समस्या है बेराजगारी की, हमने उसे कम करने के लिए ऐसे लिफाफे बनाने की तकनीकि विकिसत की है जिसको अपनाकर बेरोजगार विशेष रूप से महिलाएं एक स्थाई और सम्मानजनक रोजगार अपने घर पर ही कर सकती है।

अभी तक की समस्या–

1. **प्लास्टिक की थैली से हो रहा कचरा प्रदूषण–**

   पहल संस्था ने अपने कार्यक्षेत्र में बढ़ते हुए प्लास्टिक कचरे की समस्या के प्रति जन जागरूकता के लिए वर्ष 2002–2003 से ही प्रयास आरम्भ कर दिए थे, नैसर्गिक सुन्दरता वाले इस पर्वतीय क्षेत्र में प्लास्टिक कचरे की समस्या से प्रदूषण बढ़ता जा रहा है स्थानीय प्रशासन के पास संसाधनों की कमी होने व छितरा हुआ क्षेत्र होने के साथ साथ प्लास्टिक की थैलियों व सामान के बढ़ते प्रयोग से यह समस्या लगातार बढ़ती जा रही है विशेष रूप से प्लास्टिक की थैलियों से **नैनीताल जैसे सुन्दर पर्वतीय नगर व उसके आसपास प्लास्टिक कचरे का प्रदूषण कुरूपता का स्थाई कारण बनता जा रहा है।** कुछ स्थानीय नगरपालिकाओं ने इस समस्या के निराकरण के लिए 20 माईग्रेन से कम की थैलियों पर, तो कुछ ने सभी तरह के प्लास्टिक की थैलियों पर प्रतिबंध लगा दिया है। परन्तु वैकल्पिक साधन न होने के कारण प्लास्टिक की थैलियों का प्रयोग नहीं रूक पा रहा है जो कि पर्वतीय क्षेत्र के लिए खतरनाक है।

2. **निम्न वर्ग की महिलाओं में कम आय, बेरोजगारी व अर्ध बेराजगारी**

   शहरी, अर्धशहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं में कम आय के कारण कुपोषण की स्थाई समस्या है यह सर्व विदित है कि भारत में महिलाओं व किशोरियों में कुपोषण की गम्भीर समस्या है जिसका बड़ा कारण स्थाई रोजगार के साधनों का अभाव है।

वर्तमान में इस सबन्ध में हो रहे कार्य–

अभी तक अनेक स्थानों पर कमजोर वर्ग की बेरोजगार व अर्ध बेराजगार महिलाएं परम्परागत रूप से अखबार या अन्य कागज की थैलियां ही बनाती हैं जिनसे उन्हें पर्याप्त आय नहीं हो पाती है। तो दूसरी ओर इन लिफाफों की स्वीकार्यता इसलिए भी नहीं हो पा रही है (अथवा प्लास्टिक के थैले इसलिए अधिक चलते है) क्योंकि –

- कागज की परम्परागत थैली में कम मात्रा में ही सामान उठाया जा सकता है।
- इस सामान को लटकाया भी नहीं जा सकता है।
- कागज की थैली जल्दी फट जाती है ।

(प्लास्टिक की थैली में अधिक मात्रा में सामान रखा जा सकता है और लटकाकर लाया, ले जाया जा सकता है।)

नवाचार क्या है–

अखबार के परम्परागत लिफाफों के स्थान पर प्लास्टिक की थैली के बराबर वजन उठा सकने वाले तथा लटकाकर सामान लाए ले जाए जा सकने वाले अखबार के बैग बनाने की विधि –

यह बैग अखबार के दोहरी परत से बनाए गए हैं जिसके बीच में सुतली (जूट की पतली रस्सी/डोरी) इस तरह लगाई गई है जिससे कि वह थैले में रखे ढाई से तीन किलों के सामान को लटका कर उठा सके। जिसका एक सिरा नीचे से आपस में जुड़ा होता है तो दूसरा सिरा थैले के हैंडिल का काम करता है, जिससे थैला उठाया/लटकाया जा सकता है। सुतली का सहारा होने से इस बैग में ढाई से तीन किलो सामान लाया ले जाया सकता है। बैग में अखबार की परत दोहरी होने के कारण बैग जल्दी नहीं फटता। छोटी दूरी में इसमें कुछ गीली सब्जी भी लाई ले जाई जा सकती है। अच्छे किस्म के व शोरूम में चल सकने वाले लिफाफों में सुतली की जगह सूत की बिनी हुई डोरी लगाई जा रही है।

क्यों जरूरी है यह नवाचार –

प्लास्टिक की थैली के स्थान पर कागज के बैगों को बढावा देना ताकि अजैविक कचरे और बेरोजगारी की समस्या का सामना किया जा सके। हमारा यह नवाचार प्राकृतिक रूप से सुन्दर उत्तराखण्ड के गांवों, कस्बों विशेषकर नैनीताल जैसे प्रसिद्ध पर्यटन स्थल को प्लास्टिक कचरे से बचाने के अभियान के रूप में भी है।

बैग का आविष्कार/नवाचार महिलाओं को प्रशिक्षण व प्रायोगिक उत्पादन –

बैग का आविष्कार पहल के अधिशासी निदेशक श्री इस्लाम हुसैन द्वारा दो वर्ष पूर्व किया गया था तथा सितम्बर 2009 में महिलाओं को इस बैग को बनाने का प्रशिक्षण देने का कार्य आरम्भ किया गया। महिला स्वयं सहायता समूहों ने इसका उत्पादन दिसम्बर 2008 से आरम्भ कर दिया है।

बैग को सार्वजनिक रूप से जारी करना–

इस बैग को 10 फरवरी 2009 को नगरपालिका परिषद हल्द्वानी–काठगोदाम , (नैनीताल) के हाल में सभासदों व नगरपालिका की अधिकारियों व मीडिया की मौजूदगी में सार्वजनिक रूप से जारी किया गया। जिसका समाचार समाचार पत्रों प्रकाशित हुआ व क्षेत्रीय न्यूज चैनलों में प्रसारित हुआ।

नवाचार के अन्वेषक–

श्री इस्लाम हुसैन
अधिशासी निदेशक
पहल सामुदायिक सशक्तिकरण संस्थान
द्वारा पहल संस्था गौला बैराज रोड
निकट रेलवे स्टेशन काठगोदाम,
नैनीताल,उत्तराखण्ड
☎(05946) 266209, 266216
E-mail : islam.hussain@naipahal.com, naipahal@yahoo.co.uk, contact@naipahal.com

उत्तर उजाला

बुधवार 11 फरवरी 2009,

अखबारी कागज से बने पेपरबैग लांच करते पालिका ई.ओ. के.सी. पाण्डे एवं अन्य।

पालीथिन उन्मूलन को पेपर बैग लांच

मुख्य संवाददाता

हल्द्वानी। सामाजिक संस्था पहल द्वारा पालीथिन उन्मूलन एवं स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए तैयार पेपर बैगों को आज लांच किया गया।

इस अवसर आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ पालिका अधिशासी अधिकारी के.सी. पाण्डे ने दीप जलाकर एवं बैग लांच कर किया। उन्होंने पहल के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि निश्चित रूप से इस कार्य से जहां पालीथिन के उपयोग में कमी आएगी, वहीं यह लोगों की आजीविका का साधन भी बनेगा।

पहल के निदेशक इस्लाम हुसैन ने बताया कि इस्लाम हुसैन ने बताया कि इस कार्यक्रम को लघु उद्यम के रूप में चलाया जाएगा। इंदिरा नगर वार्ड नं. 21 में अनेक परिवार इस उद्यम से जुड़ चुके हैं। लगभग 5 हजार परिवारों को इससे जोड़ने की योजना है। इस मौके पर व्यापार मंडल उपाध्यक्ष डा. प्रमोद अग्रवाल गोल्डी ने पर्यावरण पर आधारित अपनी कविता सुनाई।

कार्यक्रम में व्यापार मंडल के प्रांतीय सह महामंत्री नवीन वर्मा, नगर स्वास्थ्य अधिकारी बी के सक्सेना, सभासद शकील सलमानी, प्रेमा साही, विरमा देवी, रमेश चंद्र पाण्डे, मोहन बोरा, गुड्डू हुसैन, नवीन जोशी, माया नेगी, मेघा श्वेताम्बरी, मो. नफीस फारूख, उत्कर्ष स्वरूप एवं देवेन्द्र चंद्र सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

PAHAL Initiated New Paper Bag Launch Event in Haldwani-Kathgodam (Nainital)Municipal Board Office

On 12 Feb 2009